UPSC/IAS

DHYAN IAS "Aspire, Learn, Lead"

Institute for Civil Services Examination Since 2018

Prelims Mock

Prelims Test – JMN27_001

उत्तर कुंजी

व्याख्या / व्याख्याएँ

GS **सेक्शनल टेस्ट:** **जेएमएन**27_001

DHYAN IAS "Aspire, Learn, Lead"

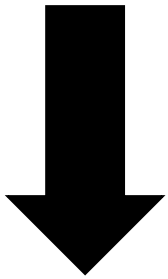

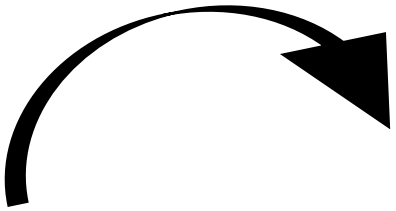

Ancient India (I) + Current Affairs: (Jan 2026)

Prehistoric period • Paleolithic • Mesolithic • Neolithic • Chalcolithic • Harappan / Indus Valley Civilization
Vedic Age, **Early Vedic period** , **Later Vedic period**
Mahajanapadas & Rise of Magadh
• Religious Reforms • Iranian & Macedonian Invasion • Mauryan Age • Post Mauryan Age

1. **उत्तर:** (c) 1 **और** 2 **दोनों**
यह सवाल प्रीहिस्टोरिक डेवलपमेंट को इकोनॉमिक और टेक्नोलॉजिकल बदलाव से जोड़ता है। **स्टेटमेंट** I **सही है** क्योंकि खेती नियोलिथिक एज में शुरू हुई, जिससे **फूड-प्रोडक्शन इकोनॉमी की शुरुआत हुई** (1) । **स्टेटमेंट** II **गलत है** क्योंकि पैलियोलिथिक लोग मुख्य रूप से खानाबदोश शिकारी-संग्रहकर्ता थे; बसे हुए गांव और बड़े पैमाने पर पालतू जानवर नियोलिथिक पीरियड में बाद में दिखाई दिए। **स्टेटमेंट** III **सही है** क्योंकि माइक्रोलिथ मेसोलिथिक एज की खासियत हैं और **पत्थर के औजारों के टेक्नोलॉजिकल डायवर्सिफिकेशन को दिखाते हैं** (2) ।
दूसरे क्यों नहीं?
- (a) माइक्रोलिथ के तकनीकी महत्व को अनदेखा करता है ।
- (b) नवपाषाण क्रांति के कृषि आधार की उपेक्षा करता है।
- (d) गलत है क्योंकि कथन I और III क्रमशः विकास 1 और 2 को स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं।

2. **उत्तर:** (c) 1 **और** 2 **दोनों**
खाना इकट्ठा करने से लेकर खाना बनाने तक के बदलाव और उसके कारण **आराम से रहने वाली ज़िंदगी के बढ़ने की जांच करता है** ।
स्टेटमेंट I **सही है।** जानवरों को पालतू बनाना नियोलिथिक एज के दौरान शुरू हुआ, जो मेटल के बड़े पैमाने पर इस्तेमाल से बहुत पहले की बात है। यह **फूड-प्रोड्यूसिंग इकॉनमी की ओर बदलाव का एक अहम हिस्सा था** (1) ।
स्टेटमेंट II **सही है।** पिसे और पॉलिश किए हुए पत्थर के औजार नियोलिथिक पीरियड की खासियत हैं। उनका इस्तेमाल खेती, जंगल की सफाई और बसे हुए किसान समुदायों से जुड़ी दूसरी एक्टिविटीज़ से करीब से जुड़ा हुआ है, जो फूड प्रोडक्शन में बदलाव को और दिखाता है।
स्टेटमेंट III **गलत है।** खेती और पशुपालन के आने के साथ नियोलिथिक युग में पक्की बस्तियाँ बनीं। उन्होंने लोहे की टेक्नोलॉजी की खोज का इंतज़ार नहीं किया, जो बहुत बाद में आई।
दूसरे ऑप्शन क्यों नहीं?
- (a) गलत है क्योंकि ये कथन स्थायी बस्तियों और बैठे-बैठे जीवन के उभरने को भी दिखाते हैं।
- (b) गलत है क्योंकि कथन I और II स्पष्ट रूप से भोजन एकत्र करने से भोजन उत्पादन में परिवर्तन से संबंधित हैं।
- (d) गलत है क्योंकि पालतू बनाने, खेती से जुड़े औजारों और पक्की बस्तियों के सबूत मिलकर दोनों प्रोसेस को दिखाते हैं।

3. **उत्तर:** (a) **केवल** 1 **और** 3
यह सवाल कैंडिडेट की मेसोलिथिक से नियोलिथिक कल्चर में बदलाव और इंडियन सबकॉन्टिनेंट में शुरुआती बस्तियों के विकास की समझ को टेस्ट करता है।
स्टेटमेंट 1 **सही है।** नियोलिथिक युग की खास बात खेती और जानवरों को पालतू बनाना था। जबकि कुछ मेसोलिथिक समुदायों ने पालतू बनाने और आधे-अधूरे बैठे रहने के शुरुआती संकेत दिखाए, सिस्टमैटिक फूड प्रोडक्शन नियोलिथिक दौर की पहचान बन गया, जो इसे ज़्यादातर शिकार करने वाली मेसोलिथिक संस्कृति से अलग करता है।
कथन 2 **गलत है।** माइक्रोलिथ मुख्य रूप से मेसोलिथिक युग से जुड़े हैं, न कि सिर्फ़ नियोलिथिक काल से। इसके अलावा, पॉलिश किए हुए पत्थर के औजारों को अपनाने से पहले के औजारों की परंपरा पूरी तरह से खत्म नहीं हुई। आर्कियोलॉजिकल सबूत बताते हैं कि कई इलाकों में नियोलिथिक औजारों के साथ माइक्रोलिथ का इस्तेमाल जारी रहा।
स्टेटमेंट 3 **सही है। परमानेंट या सेमी-परमानेंट बस्तियां नियोलिथिक पीरियड के दौरान बनीं, जो सिंधु घाटी सभ्यता के शहरी सेंटर्स के बनने से बहुत पहले की बात है।** मेहरगढ़ जैसी जगहें शहरीकरण से कई हज़ार साल पहले बसे हुए गांव के जीवन को दिखाती हैं।
दूसरे ऑप्शन क्यों नहीं?
- (b) गलत है क्योंकि कथन 1 और 3 सही हैं, जबकि कथन 2 तथ्यात्मक रूप से गलत है।
- (c) गलत है, क्योंकि कथन 3 भी सही है।
- (d) गलत है क्योंकि स्टेटमेंट 2 गलत तरीके से माइक्रोलिथ को खास तौर पर नियोलिथिक मानता है और मानता है कि पहले के टूल ट्रेडिशन गायब हो गए।

4. **उत्तर:** (a) **केवल** 1 **और** 2
कथन 1 **सही है।** उत्तर-पश्चिमी भारत और पाकिस्तान के शिवालिक क्षेत्र से जुड़ी सोआनियन संस्कृति अपने कंकड़ , चॉपर और चॉपिंग-टूल परंपरा के लिए जानी जाती है।
स्टेटमेंट 2 **सही है।** मशहूर नर्मदा फॉसिल भारत में सबसे खास होमिनिन खोजों में से एक है और इसे अक्सर होमो इरेक्टस या किसी पुरानी होमो प्रजाति से जोड़ा जाता है। इसके उलट, सोएनियन कल्चर की पहचान मुख्य रूप से इंसानी कंकाल के अवशेषों के बजाय उसके पत्थर के औजारों के कलेक्शन से होती है।
स्टेटमेंट 3 **गलत है।** खेती और जानवरों को पालना नियोलिथिक युग की खासियतें हैं। अपर पैलियोलिथिक युग की पहचान ब्लेड टेक्नोलॉजी में तरक्की से होती है, खाने के प्रोडक्शन से नहीं।
दूसरे ऑप्शन क्यों नहीं?
- (b) इसमें कथन 3 शामिल है, जो गलत है।
- (c) कथन 2 की शुद्धता की अनदेखी करता है।
- (d) यह गलत धारणा है कि कृषि की शुरुआत ऊपरी पाषाण काल में हुई थी ।

5. **उत्तर:** (c) **केवल** 1 **और** 2
स्टेटमेंट 1 **सही है।** पैलियोलिथिक कल्चर का लोअर, मिडिल और अपर फेज़ में बंटवारा मुख्य रूप से स्टोन-टूल टेक्नोलॉजी और मैन्युफैक्चरिंग टेक्नीक में बदलाव पर आधारित है।
स्टेटमेंट 2 **सही है। भीमबेटका रॉक शेल्टर्स में** पैलियोलिथिक पीरियड सहित कई प्रीहिस्टोरिक फेज में इंसानी कब्ज़े के सबूत मौजूद हैं ।
स्टेटमेंट 3 **गलत है।** पॉलिश किए हुए पत्थर के औजार और बसे हुए गांव का जीवन नियोलिथिक युग की पहचान है, न कि अपर पैलियोलिथिक की । अपर पैलियोलिथिक समुदाय ज़्यादातर शिकारी-संग्रहकर्ता बने रहे।
दूसरे ऑप्शन क्यों नहीं?
- (a) भीमबेटका से प्राप्त सुस्थापित पुरापाषाण साक्ष्यों की उपेक्षा करता है।
- (b) कथन 3 को गलत तरीके से सही मानता है।
- (d) गलत तरीके से नवपाषाण काल की विशेषताओं को ऊपरी पुरापाषाण काल से जोड़ देता है ।

6. **उत्तर:** (b) **केवल** 1 **और** 2
यह बात सही है क्योंकि मेसोलिथिक युग, पैलियोलिथिक शिकारी-संग्रहकर्ताओं और नियोलिथिक खाद्य उत्पादकों के बीच एक बदलाव का दौर दिखाता है।
कथन 1 **सही है।** माइक्रोलिथ्स ने खास और मिले-जुले औजार बनाने में मदद की, जो अलग-अलग गुज़ारे के तरीकों के हिसाब से ढलने को दिखाता है।
स्टेटमेंट 2 **सही है।** कई मेसोलिथिक साइट्स पर सेमी-परमानेंट बस्तियों के सबूत मिले हैं, जो बढ़ती हुई सेडेंटिज़्म और धीरे-धीरे सेटल लाइफ़ की ओर बढ़ने का संकेत देते हैं।
स्टेटमेंट 3 **गलत है।** फसलों की सिस्टमैटिक खेती और बड़े पैमाने पर जानवरों को पालना सिर्फ़ नियोलिथिक एज में ही आम हुआ, मेसोलिथिक एज में नहीं।
दूसरे ऑप्शन क्यों नहीं?
- (a) कथन 2 में दर्शाए गए बढ़ते गतिहीनता के महत्वपूर्ण साक्ष्य को नजरअंदाज करता है ।
- (c) इसमें कथन 3 शामिल है, जो प्राथमिक रूप से नवपाषाण युग से संबंधित है।
- (d) गलत है, क्योंकि बड़े पैमाने पर खाद्य उत्पादन प्रमुख मेसोलिथिक अर्थव्यवस्था नहीं थी।

7. **उत्तर:** (b) **केवल** 1 **और** 2
नियोलिथिक क्रांति का मतलब है खाना इकट्ठा करने से खाना बनाने की तरफ बदलाव और इसके सामाजिक नतीजे।
- 1 **सही है।** खेती और जानवरों को पालने से पक्की बस्तियों और गांव के जीवन को बढ़ावा मिला।
- 2 **सही है।** पॉलिश किए हुए पत्थर के औजार, मिट्टी के बर्तन, स्टोरेज के गड्ढे और अनाज के भंडार नियोलिथिक समाज की ज़रूरी चीज़ें बन गए।
- 3 **गलत है।** लोहे के औजारों का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल आयरन एज से संबंधित है, नियोलिथिक पीरियड से नहीं।

दूसरे क्यों नहीं?
- (a) मिट्टी के बर्तनों और पॉलिश किए गए औजारों जैसी अन्य महत्वपूर्ण नवपाषाण विशेषताओं को अनदेखा करता है।
- (सी) और (डी) में गलत तरीके से लौह प्रौद्योगिकी को शामिल किया गया है।

8. **उत्तर:** (d) **केवल** 1 **और** 2
इस दावे में इस बात पर ज़ोर दिया गया है कि ताम्रपाषाण संस्कृतियाँ सिर्फ़ बदलाव वाली नहीं थीं, बल्कि उनकी अपनी खासियतें थीं।
- 1 **सही है।** कई ताम्रपाषाण बस्तियों में तांबे के औजारों के साथ-साथ पत्थर के औजार भी इस्तेमाल होते रहे।
- 2 **सही है।** कई ताम्रपाषाण संस्कृतियों ने अपनी खुद की खेती, शिल्प और व्यापार नेटवर्क विकसित किए।
- 3 **गलत है।** लोहे की टेक्नोलॉजी के फैलने के साथ ही बड़े इलाके वाले राज्य बहुत बाद में बने।

दूसरे क्यों नहीं?
- (a) कथन 2 में प्रतिबिंबित विशिष्ट क्षेत्रीय संस्कृतियों की उपेक्षा करता है।
- (बी) और (सी) में कथन 3 को गलत तरीके से शामिल किया गया है।

9. **उत्तर:** (b) **हथनोरा**
मशहूर "नर्मदा मैन" फॉसिल नर्मदा घाटी के हथनोरा में खोजा गया था । यह भारतीय उपमहाद्वीप में पाया जाने वाला सबसे खास होमिनिन फॉसिल है।
- भीमबेटका → रॉक शेल्टर।
- हुन्सगी → पैलियोलिथिक साइट।
- डीडवाना → पाषाण युग की जगह।

10. **उत्तर:** (b) **केवल** 1, 2 **और** 4
- बागोर — राजस्थान ✔
- लंघनाज — गुजरात ✔
- बीरभानपुर — पश्चिम बंगाल ✔ (ओडिशा नहीं)
- सराय नाहर राय — उत्तर प्रदेश ✔

11. **उत्तरः** (a) **केवल** 2
- 1 **गलत है.** माइक्रोलिथ मेसोलिथिक टेक्नोलॉजी को दिखाते हैं, ज़रूरी नहीं कि खेती या बसे हुए जीवन को।
- 2 **सही है।** कई मेसोलिथिक साइट्स में पूरी तरह से खेती करने वाले समुदायों के आने से पहले आधे-अधूरे बैठे रहने की आदत दिखती है।
- 3 **गलत है।** खेती अलग-अलग इलाकों में अलग-अलग समय पर डेवलप हुई; यह बदलाव पूरे भारत में एक जैसा नहीं था।

दूसरे क्यों नहीं?
स्टेटमेंट 1 या 3 वाले ऑप्शन हटा दिए जाते हैं।

12. **उत्तरः** (c) **केवल** 2 **और** 3
- 1 **गलत है।** सिर्फ़ मिट्टी के बर्तन अपने आप नियोलिथिक कल्चर का संकेत नहीं देते; मिट्टी के बर्तन अलग-अलग कल्चरल कॉन्टेक्स्ट में हो सकते हैं।
- 2 **सही है।** कुछ प्री-एग्रीकल्चरल कम्युनिटी पहले से ही ज़्यादा सेटल लाइफस्टाइल की ओर बढ़ने लगी थीं।
- 3 **सही है।** सिर्फ़ छोटे औज़ारों से फ़ूड प्रोडक्शन साबित नहीं होता; मेसोलिथिक माइक्रोलिथ खेती के आम होने से पहले मौजूद थे।

दूसरे क्यों नहीं?
स्टेटमेंट 1 ही मुख्य जाल है और ऑप्शन (b) और (d) को गलत बनाता है।

13. **उत्तरः** (d) **केवल** 2 **और** 3
- 1 **गलत है।** जानवरों की हड्डियाँ शिकार किए गए जंगली जानवरों की हो सकती हैं; वे अपने आप में पालतू होने का सबूत नहीं देतीं।
- 2 **सही है।** खेती के बिना भी पक्के घर रह सकते हैं, जैसा कि कुछ आधे-अधूरे बैठे रहने वाले शिकारी-संग्रहकर्ता समुदायों में देखा गया है।
- 3 **सही है।** प्रीहिस्टोरिक फेज को सिर्फ़ क्रोनोलॉजी के बजाय मुख्य रूप से टेक्नोलॉजिकल और जीवन-यापन में हुए बदलावों से पहचाना जाता है।

14. **उत्तरः** (c) **बुर्जहोम**
बुर्जहोम अपने गड्ढे वाले घरों और **इंसानों के दफ़नाने के साथ कुत्तों के दफ़नाने** की अनोखी खोज के लिए मशहूर है , जो नियोलिथिक काल के दौरान इंसानों और जानवरों के बीच करीबी रिश्ते का संकेत देता है।
- गुफकराल → नियोलिथिक साइट लेकिन इस खासियत के लिए नहीं जानी जाती।
- हल्लूर → दक्षिण भारतीय नवपाषाण स्थल।
- उटनूर → राख-टीला परंपरा स्थल।

15. **उत्तरः** (b) **दैमाबाद**
मशहूर **दैमाबाद ब्रॉन्ज़ होर्ड** में रथ, गैंडा, हाथी और भैंस जैसी शानदार ब्रॉन्ज़ चीज़ें शामिल हैं। यह भारत में चाल्कोलिथिक काल से जुड़ी सबसे मशहूर खोजों में से एक है।

दूसरे क्यों नहीं?
- इनामगांव → जोर्वे संस्कृति की एक बड़ी जगह, लेकिन कांसे के खजाने से जुड़ी नहीं।
- नवदाटोली → नर्मदा पर महत्वपूर्ण ताम्रपाषाणकालीन बस्ती।
- आहड़ → आहड़-बनास संस्कृति स्थल।

16. **उत्तरः** (c) **नर्मदा**
नवदाटोली एक प्रमुख ताम्रपाषाण स्थल है जो महेश्वर के सामने, नर्मदा **नदी** के दक्षिणी तट पर स्थित है ।

दूसरे क्यों नहीं?
- बनास → अहार-बनास संस्कृति से जुड़ा हुआ।
- गोदावरी → दैमाबाद जैसी साइटों से जुड़ा हुआ है ।
- नवदाटोली का स्थान नहीं ।

17. **उत्तरः** (d) **केवल** 2
- **स्टेटमेंट** 1 **गलत है।** अनाज के भंडार के तौर पर समझे जाने वाले स्ट्रक्चर स्टोरेज का सुझाव दे सकते हैं, लेकिन वे अपने आप में सेंट्रलाइज़्ड कलेक्शन या सरप्लस पर स्टेट कंट्रोल साबित नहीं करते हैं।
- **स्टेटमेंट** 2 **सही है।** साफ़ शाही महलों, राजाओं के शिलालेखों और शाही दफ़न की कमी की वजह से हड़प्पा के राजनीतिक संगठन के बारे में लगातार बहस होती रही है।
- **स्टेटमेंट** 3 **गलत है।** स्टैंडर्डाइज़ेशन का मतलब कोऑर्डिनेशन और इंटीग्रेशन है, लेकिन यह ज़रूरी नहीं कि यह एक सेंट्रलाइज़्ड एम्पायर को एक ही कैपिटल से चलता हो।

दूसरे क्यों नहीं?
स्टेटमेंट 1 और 3 में आर्कियोलॉजिकल सबूतों को सेंट्रलाइज़्ड स्टेट पावर का पक्का सबूत मानने की आम गलती की गई है।

DHYAN IAS "Aspire, Learn, Lead"

18. **उत्तरः** (b) **केवल** 1 **और** 2
- **रिश्ता** 1 **सही है।** एक जैसा वज़न, माप और प्लानिंग हड़प्पा बस्तियों में सांस्कृतिक और आर्थिक मेलजोल का संकेत देते हैं।
- **रिश्ता** 2 **सही है।** क्योंकि स्क्रिप्ट अभी तक समझी नहीं गई है , इसलिए इतिहासकार पक्के तौर पर पॉलिटिकल अथॉरिटी की सही प्रकृति का पता नहीं लगा सकते, जिससे सेंट्रलाइज़्ड एम्पायर के दावे कमज़ोर हो जाते हैं।
- **रिश्ता** 3 **गलत है।** सिर्फ़ एक जैसा होना एक सेंट्रलाइज़्ड इंपीरियल स्टेट के होने को साबित नहीं कर सकता।

दूसरे क्यों नहीं?
ऑप्शन (d) गलत तरीके से यह मानता है कि स्टैंडर्डाइज़ेशन अपने आप एम्पायर साबित हो जाता है।

19. **उत्तरः** (d) **केवल** 1 **और** 2
- **रिश्ता** 1 **सही है।** बड़े पैमाने पर फैली हड़प्पा की कलाकृतियाँ बस्तियों के बीच बातचीत और आर्थिक संबंधों का संकेत देती हैं।
- **रिलेशनशिप** 2 **सही है।** स्टेटमेंट III दिखाता है कि ट्रेड और स्पेशलाइज़्ड प्रोडक्शन बिना सिक्के के भी चल सकते हैं, जिससे स्टेटमेंट II कमज़ोर हो जाता है।
- **रिलेशनशिप** 3 **गलत है।** स्टेटमेंट II कहता है कि लंबी दूरी के ट्रेड के लिए ज़रूरी तौर पर एक मोनेटाइज़्ड इकॉनमी की ज़रूरत होती है, जबकि स्टेटमेंट III साफ़ तौर पर उस ज़रूरत को मना करता है। इसलिए वे इनकम्पैटिबल हैं।

दूसरे क्यों नहीं? **मुख्य जाल**
कथन II में **"ज़रूरी"** शब्द है ।

20. **उत्तरः** (a) **केवल** 1 **और** 2
- **रिलेशनशिप** 1 **सही है।** अनाज के गोदाम जैसी बनावटें रिसोर्स के ऑर्गनाइज़्ड कलेक्शन, स्टोरेज या मैनेजमेंट का संकेत दे सकती हैं।
- **रिश्ता** 2 **सही है।** स्टेटमेंट III, राजशाही के सबूतों की कमी को हाईलाइट करके सामाजिक भेदभाव की निश्चितता पर सवाल उठाता है, जिससे स्टेटमेंट II में दिए गए अनुमान को चुनौती मिलती है।
- **रिश्ता** 3 **गलत है।** न तो रिसोर्स मैनेजमेंट और न ही सामाजिक भेदभाव सेंट्रलाइज़्ड राजशाही के होने को साबित करते हैं।

दूसरे क्यों नहीं?
आर्कियोलॉजिकल सबूत ऑर्गनाइज़ेशन और हायरार्की पर चर्चा करने की इजाज़त देते हैं, लेकिन किसी पक्की सेंट्रलाइज़्ड राजशाही पर नहीं।

21. **उत्तरः** (b) **बुर्जहोम**
बुर्जहोम कश्मीर घाटी में मौजूद एक मशहूर नियोलिथिक जगह है, जो गड्ढे में रहने की जगहों और इंसान-कुत्तों के दफ़न के लिए जानी जाती है।

दूसरे क्यों नहीं?
- चिरांद → बिहार.
- लंघनाज → गुजरात.
- बागोर → राजस्थान.

DHYAN IAS "Aspire, Learn, Lead"

22. **उत्तरः** (b) **केवल दो**

1 ✓ सही। अत्तिरमपक्कम एक महत्वपूर्ण अचेउलियन साइट है और भारत में कुछ शुरुआती होमिनिन कब्ज़े के सबूत देता है।

2 ✗ गलत। भीमबेटका में कई पुराने समय के सबूत मिले हैं। माइक्रोलिथ मुख्य रूप से मेसोलिथिक से जुड़े हैं, लोअर पैलियोलिथिक से नहीं ।

3 ✓ सही। हुन्सगी घाटी में कई खदान-कम-वर्कशॉप साइटें हैं, जो कच्चे माल के सोर्स के पास टूल बनाने का संकेत देती हैं।

4 ✗ गलत। सोएनियन इंडस्ट्री मुख्य रूप से कंकड़, चॉपर और काटने के औजारों से जुड़ी है, न कि हाथ की कुल्हाड़ियों और क्लीवर से, जो अचुलियन परंपरा की खासियत हैं।

सही लाइनः सिर्फ़ 1 **और** 3.

23. **उत्तरः** (c) **केवल तीन**

1 ✓ सही। बागोर में जानवरों को पालतू बनाने के सबूत के साथ-साथ माइक्रोलिथ भी मिले हैं ।
2 ✗ गलत। लैंगनाज में इंसानों के दफ़न के उदाहरण मिले हैं; दफ़न न होना असल में गलत है।
3 ✓ सही। भीमबेटका रॉक पेंटिंग्स में शिकार, डांस, रीति-रिवाज और कम्युनिटी लाइफ को दिखाया गया है।
4 ✓ सही। सराय नाहर राय में दफ़नाने और शिकारी-संग्रहकर्ता के रहने के सबूत मिलते हैं।

सही पंक्तियाँ: 1, 3 **और** 4.

24. **उत्तरः** (c)
यह कथन **सही नहीं है** ।
- (a) ✔ ताम्रपाषाण संस्कृतियों में तांबे और पत्थर के औजार एक साथ मौजूद थे।
- (ख) ✔ अधिकांश बस्तियाँ ग्रामीण प्रकृति की थीं।
- (c) ✘ ताम्रपाषाण युग के समुदाय खेती और पशुपालन करते थे; वे सिर्फ़ शिकार पर निर्भर नहीं थे।
- (d) ✔ अहार , मालवा और जोरवे जैसी विशिष्ट मिट्टी के बर्तनों की परंपराएँ विकसित हुईं।

25. **उत्तरः** (a) **केवल एक**

1 ✘ डॉकयार्ड आधारित समुद्री व्यापार लोथल से जुड़ा है, बुर्जहोम से नहीं ।
2 ✓ कोल्डिहवा चावल की खेती के शुरुआती सबूतों के लिए मशहूर है और नियोलिथिक फेज़ से जुड़ा है।
3 ✘ गड्ढे में बने आवास बुर्जहोम से जुड़े हैं , अहार से नहीं ।
4 ✘ राख के टीले वाली पशुपालन वाली अर्थव्यवस्था दक्षिण भारतीय नियोलिथिक जगहों जैसे उटनूर से जुड़ी है ; कालीबंगन एक हड़प्पाई जगह है।
केवल पंक्ति 2 सही है।

26. **उत्तरः** (a) **केवल एक**

1 ✓ सही। बुर्जहोम ज़मीन के नीचे बने गड्ढों वाले घरों के लिए मशहूर है।
2 ✘ चिरांद एक नियोलिथिक जगह है, लेकिन यह सबसे पहले कपास की खेती के लिए नहीं जानी जाती।
3 ✘ राख के टीले दक्षिण भारतीय नवपाषाण स्थलों जैसे उटनूर और पिकलिहल की विशेषता हैं, दाओजली की नहीं हेडिंग .
4 ✘ नियोजित शहरी जल निकासी एक हड़प्पा विशेषता है, न कि कोल्डिहवा की नवपाषाण विशेषता ।
केवल पंक्ति 1 सही है।

27. **उत्तरः** (c)
यह कथन **सही नहीं है** ।
- (ए) ✔ माइक्रोलिथ्स मेसोलिथिक युग की पहचान हैं।
- (b) ✔ कुछ क्षेत्र खाद्य उत्पादन की ओर धीरे-धीरे बढ़ रहे हैं।
- (सी) ✘ मिट्टी के बर्तन न तो सार्वभौमिक थे और न ही सभी मध्यपाषाण बस्तियों की परिभाषित विशेषता थी।
- (d) ✔ शैल चित्र मेसोलिथिक जीवन को समझने का एक महत्वपूर्ण स्रोत हैं।

DHYAN IAS "Aspire, Learn, Lead"

28. **उत्तरः** (d)
यह कथन **सही नहीं है** ।
- (ए) ✔ पैलियोलिथिक कल्चर पूरी तरह से आर्कियोलॉजिकल सबूतों से ही जाने जाते हैं।
- (b) ✔ इस अवधि के दौरान धातुएँ अनुपस्थित थीं।
- (c) ✔ भीमबेटका में पुरापाषाणकालीन व्यवसाय परतें हैं।
- (d) ✘ पक्की गांव की बस्तियां बहुत बाद में बनीं, खासकर नियोलिथिक युग के दौरान। पैलियोलिथिक समुदाय ज़्यादातर शिकारी-संग्रहकर्ता थे।

29. **उत्तरः** (b) **केवल 1 और 3**
सवाल यह है कि सबूत क्या **बताते हैं** और क्या **साबित करते हैं , इसके बीच फ़र्क किया गया है** ।
- **अनुमान 1 सही है।** मवेशियों की संपत्ति, मवेशियों की लूट (*गविष्टि*), और गायों के दान का बार-बार ज़िक्र यह बताता है कि पशुपालन शुरुआती वैदिक अर्थव्यवस्था का एक ज़रूरी हिस्सा था।
- **नतीजा 2 गलत है।** प्राइवेट ज़मीन के मालिकाना हक के साफ़ ज़िक्र न होने **से ज़रूरी नहीं कि यह साबित हो** कि मालिकाना हक कम्युनिटी का है। आर्कियोलॉजिकल और टेक्स्ट की चुप्पी को पक्का सबूत नहीं माना जा सकता।
- **नतीजा 3 सही है।** बड़े-बड़े बलिदानों के लिए खास पुजारियों की ज़रूरत होती है, जो काम में स्पेशलाइज़ेशन और समाज में भेदभाव बढ़ने की ओर इशारा करते हैं।

दूसरे ऑप्शन क्यों नहीं?
- Inference 2 वाले ऑप्शन गलत तरीके से सबूत की कमी को कम्युनिटी ओनरशिप के सबूत में बदल देते हैं।

***"ज़रूरी तौर पर मतलब है"* बहुत मज़बूत नतीजा है।**

30. **उत्तरः** (a) **केवल** 1, 2 **और** 4
- **अनुमान** 1 **सही है।** खेती, इलाके में बढ़ोतरी और राजनीतिक विकास के ज़्यादा ज़िक्र से अर्थव्यवस्था और राजनीति दोनों में बदलाव का पता चलता है।
- **अनुमान** 2 **सही है।** गंगा-यमुना क्षेत्र में आना-जाना, मजबूत राजशाही और बढ़ते शाही अधिकार के साथ हुआ।
- **अनुमान** 3 **गलत है।** सभा और समिति का ज़िक्र होता रहा; उनका महत्व कम हुआ लेकिन वे पूरी तरह से गायब नहीं हुए।
- **अनुमान** 4 **सही है।** राजसूय और अश्वमेध जैसे अनुष्ठान राजनीतिक शक्ति को वैध बनाने के महत्वपूर्ण साधन थे।

दूसरे ऑप्शन क्यों नहीं?
- मुख्य गलती यह मान लेना है कि महत्व कम होने का मतलब है पूरी तरह गायब हो जाना।

31. **उत्तरः** (c) **केवल** 2 **और** 3
- **नतीजा** 1 **गलत है।** सभा और समिति साफ़ तौर पर दिखाते हैं कि कलेक्टिव संस्थाएँ लगातार मौजूद थीं; पॉलिटिकल अथॉरिटी उनसे पूरी तरह आज़ाद नहीं थी।
- **अनुमान** 2 **सही है।** वैदिक राजव्यवस्था में कबीलाई सभाओं को उभरते हुए राजतंत्र के साथ जोड़ा गया था।
- **नतीजा** 3 **सही है।** शाही रस्में और बलिदान पॉलिटिकल लेजिटिमेसी के ज़रूरी सोर्स थे।

दूसरे ऑप्शन क्यों नहीं?
- ऑप्शन 1 सभा और समिति के बारे में साफ़ सबूत को नज़रअंदाज़ करता है ।

परीक्षक का जालः *पूरी तरह* से जैसे शब्द आमतौर पर बढ़ा-चढ़ाकर कही गई बात को दिखाते हैं।

32. **उत्तरः** (a) **केवल** 1
- **नतीजा** 1 **सही है।** कई पुजारी, पूजा के तरीके और खास पूजा की किताबें बताती हैं कि बलि देना धीरे-धीरे इंस्टीट्यूशनल और खास होता गया।
- **नतीजा** 2 **गलत है।** लेजिटिमेसी के लिए बलिदान ज़रूरी थे, लेकिन पॉलिटिकल अथॉरिटी सिर्फ़ उन पर निर्भर नहीं थी।
- **नतीजा** 3 **गलत है।** बड़े बलिदान अक्सर राजाओं, सरदारों और पुजारियों के ग्रुप के कंट्रोल में होते थे; सभी तबकों की बराबर हिस्सेदारी सबूतों से सपोर्टेड नहीं है।
- **अनुमान** 4 **गलत है।** बलिदानों ने धार्मिक उद्देश्यों के अलावा राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक और वैधीकरण कार्य भी किए।

दूसरे ऑप्शन क्यों नहीं?
- कथन I-IV सामूहिक रूप से बढ़ती हुई अनुष्ठान जटिलता को दर्शाते हैं, न कि अनन्य राजनीतिक निर्भरता या सार्वभौमिक भागीदारी को।

33. **उत्तरः** (b) **दो**

DHYAN IAS "Aspire, Learn, Lead"

1 ✓ सही। **विदाथ** शुरुआती वैदिक काल की एक महत्वपूर्ण मल्टीफंक्शनल ट्राइबल असेंबली थी जो सामाजिक, मिलिट्री और धार्मिक मामलों को देखती थी।

2 ✓ सही। **अश्वमेध** शाही शक्ति और राजनीतिक संप्रभुता से जुड़ा एक प्रमुख उत्तर वैदिक यज्ञ था।

3 ✗ गलत। **सभा** पूरे कबीले की पॉपुलर असेंबली नहीं थी; यह रोल **समिति से ज़्यादा जुड़ा हुआ है** । सभा एक छोटी और ज़्यादा चुनी हुई बॉडी थी।

सही पंक्तियाँः केवल 1 **और** 2.

34. **उत्तरः** (b) **दो**

1 ✓ सही। **गविष्टि** का मतलब है मवेशियों की खोज या उनके लिए संघर्ष और इसका इस्तेमाल अक्सर ऋग्वेदिक अर्थव्यवस्था में युद्ध के संदर्भ में किया जाता है।

2 ✗ गलत। **निष्क** असल में एक सजावट या कीमती चीज़ थी; यह शुरुआती वैदिक काल में राजा द्वारा जारी किया गया कोई स्टैंडर्ड चांदी का सिक्का नहीं था।

3 ✓ सही। **बलि** का मतलब था मुखिया/राजा को दिया जाने वाला नज़राना, भेंट या योगदान।

सही लाइनः सिर्फ़ 1 **और** 3.

35. **उत्तरः** (d) 1, 2, 3 **और** 4

1 ✓ सामवेद में मुख्य रूप से यज्ञ-कर्म में इस्तेमाल होने वाले मंत्र और धुनें हैं।

2 ✓ यजुर्वेद में यज्ञ के सूत्र और प्रक्रिया संबंधी निर्देश हैं।

3 ✓ अथर्ववेद में मंत्र, जादू, इलाज के तरीके और रोज़मर्रा की ज़िंदगी के पहलू शामिल हैं।

4 ✓ उपनिषद ब्रह्म, आत्मा और परम सत्य की प्रकृति से संबंधित हैं।

सभी चार जोड़े सही ढंग से मेल खाते हैं।

36. **उत्तरः** (d) **कोई नहीं**

1 ✕ ब्राह्मण ग्रंथ धार्मिक ग्रंथ हैं; वे ग्रहण के गणितीय हिसाब-किताब के लिए नहीं जाने जाते।
2 ✕ आरण्यक , सर्जरी पर नहीं, बल्कि रीति-रिवाजों की फिलोसोफिकल और सिंबॉलिक व्याख्याओं पर फोकस करते हैं।
3 ✕ वेदांग ज्योतिष एस्ट्रोनॉमी और कैलेंडर के हिसाब-किताब से जुड़ा है, एटॉमिक थ्योरी से नहीं।
4 ✕ शुल्बसूत्र वेदी बनाने से जुड़ी ज्योमेट्री के लिए जाने जाते हैं , न कि औषधीय पौधों के क्लासिफिकेशन के लिए।

37. **उत्तरः** (a) **केवल** 1 **और** 2
- **स्टेटमेंट** 1 **सही है।** ऋग्वैदिक दुनिया उत्तर -पश्चिमी नदी सिस्टम पर केंद्रित है , जबकि बाद के वैदिक ग्रंथों में पूर्व के क्षेत्रों से जान-पहचान का पता चलता है।
- **स्टेटमेंट** 2 **सही है।** बलि के रीति-रिवाजों की बढ़ती मुश्किलें मोटे तौर पर खेती के बढ़ने और ज़्यादा बसे हुए जीवन के साथ मेल खाती हैं।
- **स्टेटमेंट** 3 **गलत है।** इकोलॉजिकल अडैप्टेशन ज़रूरी था, लेकिन **अकेला** फ़ैक्टर नहीं था; पॉलिटिकल, सोशल, टेक्नोलॉजिकल और डेमोग्राफिक प्रोसेस ने भी पूरब की ओर फैलने में हिस्सा लिया।

दूसरे क्यों नहीं?
"एकमात्र" शब्द स्टेटमेंट 3 को बहुत ज़्यादा तय करने वाला बनाता है।

38. **उत्तरः** (b) **तीन**
कथन 1
✕ सही नहीं
ऐतरेय ब्राह्मण में सामाजिक ग्रुप्स के बारे में बताया गया है, लेकिन इससे यह साबित नहीं होता कि चार वर्णों का सिस्टम पूरे वैदिक समाज में पूरी तरह से सख्त और खानदानी हो गया था।
कथन 2
✓ **सही**
राजसूय का संबंध राजशाही और राजनीतिक मान्यता से था, जो रीति-रिवाजों और अधिकार के बीच संबंध को दिखाता है।
कथन 3
✕ सही नहीं
छांदोग्य उपनिषद में एक ज़िक्र पूरे सबकॉन्टिनेंट में आश्रम सिस्टम के एक जैसे पालन को साबित नहीं करता है ।
कथन 4
✓ **सही**
" सत्यमेव " जयते " मुंडक उपनिषद में आता है और आध्यात्मिक खोज में सत्य से जुड़े महत्व को दिखाता है।
कथन 5
✕ सही नहीं
पुनर्जन्म जैसे विचारों के आने का मतलब यह नहीं है कि बलि की परंपराएं खत्म हो गईं; दोनों एक साथ चलती रहीं।

DHYAN IAS "Aspire, Learn, Lead"

39. **उत्तरः** (A) **केवल** 1, 2 **और** 4
- 1 **सही है.** ब्राह्मण ग्रंथ रस्मों, बलिदानों और उनके मतलब समझाने वाले गद्य ग्रंथ हैं।
- 2 **सही है.** आरण्यक रीति-रिवाजों की सिंबॉलिक और फिलॉसॉफिकल व्याख्या देते हैं और जंगल में रहने वाले ऋषियों से जुड़े हैं।
- 3 **गलत है। बलि की प्रक्रिया की जानकारी मुख्य रूप से** ब्राह्मण और यजुर्वेदिक परंपराओं में मिलती है , उपनिषदों में नहीं।
- 4 **सही है.** संहिताएं पूजा-पाठ में इस्तेमाल होने वाले भजनों, मंत्रों और प्रार्थनाओं का कलेक्शन हैं।

दूसरे ऑप्शन क्यों नहीं?
मुख्य गलती स्टेटमेंट 3 है, जो उपनिषदिक फिलॉसफी को रिचुअल मैनुअल के साथ कन्फ्यूज करता है।

40. **उत्तरः** (c) **अभिनव और नवनीत दोनों सही हैं**
अभिनव सही हैं। मवेशियों की दौलत, मवेशियों की लूट (*गविष्टि*) और गायों के तोहफ़े का बार-बार ज़िक्र बताता है कि ऋग्वैदिक समाज में मवेशी दौलत का एक बड़ा पैमाना थे।
नवनीत भी सही है। शुरुआती वैदिक समाज ज़्यादातर पशुपालक था, और खेती की ज़मीन पर प्राइवेट मालिकाना हक अभी तक आर्थिक ताकत का मुख्य आधार नहीं बना था।
दोनों के बीच संबंधः नवनीत का बयान बताता है कि अभिनव का ऑब्ज़र्वेशन क्यों सही है।

41. **उत्तरः** (a) **केवल** 1 **और** 2
- 1 **सही है।** शुरुआती वैदिक काल में मवेशी धन का मुख्य पैमाना थे।
- 2 **सही है।** आयरन टेक्नोलॉजी ने गंगा के मैदानों में जंगल काटने और खेती को बढ़ाने में मदद की।
- 3 **गलत है।** खेती के फैलने के बाद भी पशुपालन का महत्व बना रहा।

दूसरे क्यों नहीं?
स्टेटमेंट 3 में ऐतिहासिक बदलाव को धीरे-धीरे होने वाले बदलाव के बजाय पूरी तरह से बदलाव मानने की आम गलती की गई है।

42. **उत्तरः** (a) **केवल** 1 **और** 2
- 1 **सही है।** खेती-बाड़ी के विस्तार ने इलाके पर कंट्रोल को बढ़ावा दिया, जिससे राजशाही मज़बूत हुई।
- 2 **सही है।** सरप्लस प्रोडक्शन ने शासकों और पुजारियों दोनों की स्थिति को बेहतर बनाया, जिन्होंने अधिकार को मैनेज और वैध बनाया।
- 3 **गलत है।** आर्थिक बदलाव सामाजिक, राजनीतिक और धार्मिक विकास से बहुत करीब से जुड़े थे; उनकी अलग से स्टडी नहीं की जा सकती।

43. **उत्तरः** (b) **केवल** 1, 3 **और** 4
इतिहासकार **बदलाव और कंटिन्यूटी दोनों पर ज़ोर देता है** ।
- 1 **सही है।** खेती ने बड़े इलाकों वाले राज्यों में योगदान दिया।
- 2 **गलत है।** सभा और समिति का राजनीतिक महत्व धीरे-धीरे कम होता गया।
- 3 **सही है।** बड़े-बड़े रीति-रिवाजों से पुरोहितों का असर बढ़ गया।
- 4 **सही है।** खेती के विस्तार के बावजूद पशुपालन जारी रहा।

दूसरे क्यों नहीं?
स्टेटमेंट 2, बाद के वैदिक काल में कबीलाई सभाओं के पतन की अच्छी तरह से स्थापित बात को गलत साबित करता है।

44. **उत्तरः** (c) **केवल** 3
- 1 **गलत है।** शुरुआती वैदिक आर्य मुख्य रूप से सप्त -सिंधु क्षेत्र से जुड़े थे, न कि गंगा-यमुना दोआब तक सीमित थे।
- 2 **गलत है.** सप्त -सिंधु का मतलब मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिमी नदी सिस्टम से था; इस बयान में यमुना को शामिल करने से यह मुश्किल हो जाता है और आम तौर पर आम तौर पर इसे स्वीकार नहीं किया जाता है।
- 3 **सही है।** उत्तर वैदिक काल का विस्तार पूर्वी उत्तर प्रदेश और उत्तरी बिहार तक हो गया था।

दूसरे क्यों नहीं? **स्टेटमेंट** 1 **और** 2
ऋग्वैदिक दुनिया के ज्योग्राफिकल फोकस को गलत तरीके से दिखाते हैं ।

45. **उत्तरः** (a) **केवल** 1 **और** 2
- 1 **सही है।** रीति-रिवाजों ने लोगों को कुदरती और सामाजिक घटनाओं को समझने में मदद की, जिससे अनिश्चितता कम हुई और व्यवस्था का एहसास हुआ।
- 2 **सही है।** राजसूय और अश्वमेध जैसे शाही बलिदानों ने राजत्व की वैधता को मजबूत किया।
- 3 **गलत है।** खेती-बाड़ी के बढ़ने से रीति-रिवाज खत्म नहीं हुए; असल में बाद के वैदिक काल में रीति-रिवाज और ज़्यादा बड़े हो गए।

दूसरे क्यों नहीं?
खेती और सरप्लस प्रोडक्शन की बढ़ोतरी ने रीति-रिवाजों की अहमियत को कम करने के बजाय और बढ़ाया है।

DHYAN IAS "Aspire, Learn, Lead"

46. **उत्तरः** (c) **देवेश और शिवम दोनों सही हैं**
देवेश सही है। ऋग्वैदिक समाज ने सामाजिक भेदभाव को मान्यता दी थी, लेकिन वर्ण व्यवस्था में अभी तक उत्तर वैदिक काल जैसी सख्ती और खानदानी पहचान नहीं आई थी। ऐसा लगता है कि सामाजिक गतिशीलता तुलनात्मक रूप से ज़्यादा थी।
शिवम सही कह रहे हैं। खेती का बढ़ना, ज़्यादा पैदावार, बड़े राज्यों का कब्ज़ा और बढ़ते रीति-रिवाजों में स्पेशलाइज़ेशन ने बाद के वैदिक युग में वर्ण व्यवस्था को मज़बूत करने और ज़्यादा सख़्त बनाने में मदद की ।
क्यों?
आर्थिक सरप्लस ने खास काम करने वाले ग्रुप्स को सपोर्ट किया और पुजारियों और शासकों की सामाजिक स्थिति को मज़बूत किया, जिससे हायरार्किकल स्ट्रक्चर को मज़बूती मिली।

47. **उत्तरः** (a) **केवल** 1, 3 **और** 4
कथन 1 ✔ **सही**
धन के सबसे पुराने पुरातात्विक साक्ष्य **पंच-मार्क्ड सिक्कों से जुड़े हैं** , जो सामान्य रूप से एनबीपीडब्ल्यू सांस्कृतिक क्षितिज (लगभग 700-200 ईसा पूर्व) में पाए जाते हैं।
कथन 2 ✗ **गलत**
ही एकमात्र ऐसा देश नहीं था महाजनपद के पास लोहे के रिसोर्स थे। इसका फ़ायदा यह था कि यह आज के झारखंड के आयरन ओर के बड़े भंडार के पास था, लेकिन इस बात का खास होना ("सिर्फ़") इसे गलत बनाता है।
कथन 3 ✔ **सही**
अंग की जीत ने मगध को आर्थिक और स्ट्रेटेजिक रूप से मज़बूत किया, जिससे ट्रेड रूट और रिसोर्स से भरपूर इलाकों तक पहुंच बेहतर हुई।
कथन 4 ✔ **सही**
कई गणतंत्र राज्य (जैसे, वज्जि , मल्ल , शाक्य , कोलिय) हिमालय की तलहटी और उत्तर-पूर्वी गंगा क्षेत्र में केंद्रित थे।

48. **उत्तरः** (a) **केवल** 2 **और** 3
कथन 1 ✗ **गलत**
बौद्ध और जैन धर्म के ग्रंथों में राजनीतिक संस्थाओं की अलग-अलग लिस्ट और क्लासिफिकेशन दिए गए हैं। ये लिस्ट पूरी तरह से एक जैसी नहीं हैं।
कथन 2 ✔ **सही**
महाजनपदों में राजशाही और रिपब्लिक दोनों एक साथ मौजूद थे , जिनमें से कई रिपब्लिक हिमालय की तलहटी और उत्तर-पूर्वी गंगा के मैदान में थे।
कथन 3 ✔ **सही**
मगध की तरक्की में उपजाऊ मिट्टी, लोहे के रिसोर्स, हाथियों और गंगा और सोन जैसे ज़रूरी नदी सिस्टम पर कंट्रोल की मदद मिली।
दूसरे क्यों नहीं?
स्टेटमेंट 1 बौद्ध और जैन परंपराओं के बीच एकरूपता को बढ़ा-चढ़ाकर बताता है।

49. **उत्तरः** (a) **केवल** 1, 2 **और** 4
कथन 1 ✔ **सही**
खानदानी शासक की मदद करने वाले अधिकारियों की नियुक्ति राजशाही राज्यों की खासियत है।
कथन 2 ✔ **सही**
संथागर (असेंबली हॉल) रिपब्लिकन गण -संघ पॉलिटिक्स की एक अहम संस्था थी , जहाँ रिप्रेजेंटेटिव मिलकर बातचीत करते थे **।**
कथन 3 ✗ **गलत**
रिपब्लिकन राज्यों में, राजा पूरी तरह से सॉवरेन नहीं था; अधिकार असेंबली या ऑलिगार्किक काउंसिल के पास होता था।
कथन 4 ✔ **सही**
उपराज , **सेनापति** और **भंडारिक** जैसे पद वज्जि संघ जैसी रिपब्लिकन राजनीति में अच्छी तरह से प्रमाणित हैं ।

50. **उत्तरः** (a) **केवल** 1 **और** 3
कथन 1 ✔ **सही है**
बिम्बिसार ने कोसल , लिच्छवि और अन्य लोगों के साथ वैवाहिक गठबंधन किया और महाजनपदों में सबसे पुरानी स्थायी सेनाओं में से एक को बनाए रखने का श्रेय उन्हें दिया जाता है ।
कथन 2 ✗ **गलत**
पाटलिग्राम की किलेबंदी अजातशत्रु के राज में शुरू हुई , लेकिन राजधानी का **पाटलिपुत्र** में ट्रांसफर आम तौर पर उदयिन से जुड़ा है ।
कथन 3 ✔ **सही**
बुद्ध के महापरिनिर्वाण के बाद अजातशत्रु के संरक्षण में राजगृह में पहली **बौद्ध परिषद** हुई थी ।
कथन 4 ✗ **गलत**
पाटलिपुत्र का स्ट्रेटेजिक महत्व इसलिए था क्योंकि यह बड़ी नदी सिस्टम (गंगा, सोन, गंडक और पुनपुन) के पास था, जिससे कम्युनिकेशन, ट्रेड और डिफेंस में आसानी हुई ।
दूसरे ऑप्शन क्यों नहीं?
स्टेटमेंट 2 और 4 ऐतिहासिक रूप से गलत हैं।

DHYAN IAS "Aspire, Learn, Lead"

51. **उत्तरः** (d) **केवल** 1 **और** 3
कथन 1 ✔ **सही**
मगध को लौह अयस्क के भंडार (आज का झारखंड क्षेत्र) से नज़दीकी का फ़ायदा मिला और गंगा, सोन और बाद में गंडक जैसे ज़रूरी नदी रास्तों पर कंट्रोल मिला , जिससे उसकी इकॉनमी और मिलिट्री मज़बूत हुई।
कथन 2 ✗ **गलत**
पाटलिपुत्र से पहले , मगध की राजधानी **राजगृह (राजगीर)** हर्यंक के अधीन थी । पाटलिपुत्र बाद में राजधानी बनी, आमतौर पर उदयिन के अधीन ।
कथन 3 ✔ **सही**
मगध शासकों ने **विजय** (जैसे, अंग) और **वैवाहिक गठबंधन** (जैसे, बिम्बिसार के विवाह) दोनों को विस्तार के साधन के रूप में इस्तेमाल किया।
कथन 4 ✗ **गलत**
मगध की ताकत ट्रेड और कम्युनिकेशन नेटवर्क में उसके इंटीग्रेशन से आई, न कि अकेलेपन से।

52. **उत्तरः** (a) **तीनों कथन सही हैं**
कथन 1 ✔ **सही है**
पारंपरिक विवरण राजवंश के संस्थापक बृहद्रथ को चेदि वंश से जोड़ते हैं।
कथन 2 ✔ **सही**
जरासंध का संबंध बृहद्रथ वंश से है और महाकाव्यों में उसे एक शक्तिशाली शासक के रूप में दिखाया गया है जिसने मगध का नाम बढ़ाया।
कथन 3 ✔ **सही**
आखिरी बृहद्रथ शासक, **रिपुंजय को उसके मंत्री पुलिक (या कुछ परंपराओं में सुनिक)** ने उखाड़ फेंका , जिससे प्रद्योत वंश की स्थापना हुई।

53. **उत्तरः** (c) **दो सही कथन हैं, जिनमें कथन** 2 **शामिल है**
कथन 1 ✔ **सही**
लोहे के संसाधनों ने खेती, हथियार बनाने और राज्य के विस्तार को मज़बूत किया।
कथन 2 ✔ **सही**
पाटलिपुत्र एक स्ट्रेटेजिक नदी किनारे की जगह थी जिससे व्यापार, कम्युनिकेशन और डिफेंस में आसानी होती थी।
कथन 3 ✘ **गलत**
खेती से मिलने वाले सरप्लस ने मगध की सेना और एडमिनिस्ट्रेशन को सपोर्ट करने की क्षमता को कमज़ोर करने के बजाय मज़बूत किया।

54. **उत्तरः** (b) **केवल** 1 **और** 2
1. **खेती से होने वाले सरप्लस के आधार पर संगठित रेवेन्यू कलेक्शन** ✔
सरप्लस खेती से टैक्सेशन और रिसोर्स मोबिलाइज़ेशन को मदद मिली।
2. **सरकारी संसाधनों से सपोर्टेड स्टैंडिंग आर्मी** ✔
एक परमानेंट मिलिट्री सिस्टम ने इलाके को बढ़ाने और कंट्रोल करने में मदद की।
3. **बौद्ध और जैन धर्म का संरक्षण** ✘
हालांकि कल्चरल और पॉलिटिकल तौर पर यह ज़रूरी था, लेकिन मगध को एक एम्पायर में बदलने के लिए धार्मिक मदद मुख्य इंस्टीट्यूशनल तरीका नहीं था।

55. **उत्तरः** (c) **केवल** 1 **और** 3
कथन 1 ✔ **सही**
नदियाँ आर्थिक, सैन्य और संचार कार्यों में सहायक थीं।
कथन 2 ✘ **गलत**
"हमेशा" शब्द इस बात को गलत बनाता है। मुख्य गंगा क्षेत्र के बाहर भी शक्तिशाली राज्य थे, जैसे अवंती।
कथन 3 ✔ **सही**
किलेबंद राजधानियाँ, डिफेंस और एडमिनिस्ट्रेटिव कंट्रोल को बेहतर बनाकर, भौगोलिक नुकसान को कुछ हद तक कम कर सकती हैं।

56. **उत्तरः** (d) 1, 2, 3 **और** 4
महाजनपदों का उदय कई वजहों पर निर्भर था:
1. **स्ट्रेटेजिक लोकेशन** ✔
व्यापार और कम्युनिकेशन रूट पर कंट्रोल से दौलत और असर बढ़ा।
2. **उपजाऊ कृषि भूमि** ✔
एडमिनिस्ट्रेशन और सेनाओं के लिए ज़रूरी सरप्लस जेनरेट किया।
3. **खनिज संसाधन** ✔
खासकर लोहा, जिससे खेती और युद्ध में मदद मिलती थी।
4. **असरदार लीडरशिप** ✔
बिम्बिसार और अजातशत्रु जैसे शासकों ने मौजूद फ़ायदों का अच्छे से फ़ायदा उठाया।
इन चारों ने अलग-अलग राजनीतिक सफलता में योगदान दिया।

DHYAN IAS "Aspire, Learn, Lead"

57. **उत्तरः** (a) **केवल** 1 **और** 2
कथन 1 ✔ **सही**
बौद्ध धर्म, जैन धर्म, आजीविक , वैदिक परंपराओं और दूसरे पंथों का एक साथ होना दिखाता है कि पॉलिटिकल अथॉरिटी सिर्फ़ एक धार्मिक परंपरा से बंधी नहीं थी।
कथन 2 ✔ **सही**
अलग-थलग परंपराओं ने कई वैदिक रीति-रिवाजों को चुनौती दी, खासकर कर्मकांड, बलि पर ज़ोर और पुरोहितों के दबदबे को।
कथन 3 ✘ **गलत**
ये परंपराएं मगध, कोसल , वज्जि और दूसरे बड़े
महाजनपदों में फली-फूलीं। इनका फैलाव सिर्फ़ बड़े पॉलिटिकल सेंटर्स तक ही सीमित नहीं था।

58. **उत्तरः** (c) 1, 2, 3 **और** 4
इन चारों घटनाओं ने मिलकर उत्तर वैदिक काल में धार्मिक सुधार की लहरों में योगदान दिया।
- 1 ✔ **सही।** बढ़ती रस्मों की मुश्किलों ने धर्म को बहुत ज़्यादा औपचारिक और निभाना मुश्किल बना दिया।
- 2 ✔ **सही।** इससे पुरोहितों का दबदबा मजबूत हुआ, जिससे सामाजिक और बौद्धिक प्रतिक्रियाएं हुईं।
- 3 ✔ **सही।** उपनिषदिक दौर में दार्शनिक सोच ने असली सच्चाई की खोज की ओर एक बदलाव दिखाया।
- 4 ✔ **सही।** कर्मकांड से बढ़ती नाराज़गी ने दूसरे आध्यात्मिक रास्तों की तलाश को बढ़ावा दिया।

मुख्य विचारः सुधार , **बहुत ज़्यादा संस्थागत बनाने (कर्मकांड)** और **दिमागी सवाल पूछने (उपनिषदों की सोच) दोनों से पैदा होता है** ।

59. **उत्तरः** (c) **दो कथन सही हैं**
- 1 ✔ **सही।** कुरु –पांचाल क्षेत्र उत्तर वैदिक संस्कृति का मुख्य केंद्र बन गया।
- 2 ✘ **गलत ।** उत्तर वैदिक काल में ईश्वरीय कृपा पाने के लिए प्रार्थना नहीं, बल्कि बलिदान ज़्यादा ज़रूरी हो गए।
- 3 ✔ **सही।** रस्मों की मुश्किलों ने पुरोहितों का महत्व और दक्षिणा देना बढ़ा दिया।
- 4 ✘ **गलत ।** मूर्ति पूजा के शुरुआती रूप बाद में दिखाई देने लगे; "पूरी तरह से अनुपस्थित" बहुत ज़्यादा पक्का है।

60. 60. **उत्तरः** (d) **दो कथन सही हैं, जिनमें कथन** 3 **शामिल नहीं है**
- 1 ✔ **सही।** मौखिक परंपरा, याद करना और उच्चारण वैदिक शिक्षा के केंद्र में थे।
- 2 ✔ **सही।** उपनिषदों को वेदांत कहा जाता है क्योंकि वे वैदिक साहित्य के अंतिम भाग हैं।
- 3 ✘ **गलत ।** शिक्षा समान रूप से सुलभ नहीं थी; यह काफी हद तक लिंग और वर्ण द्वारा प्रतिबंधित थी ।

61. 61. **उत्तरः** (d) **दो कथन सही हैं, जिनमें कथन** 2 **शामिल नहीं है**
- 1 ✔ **सही।** उपनिषद और राजा राममोहन राय दोनों ने कर्मकांड से परे तर्कसंगत जांच और सार्वभौमिक सत्य पर जोर दिया।
- 2 ✘ **गलत । कोई भी आंदोलन मुख्य रूप से** *विदेशी सांस्कृतिक प्रभाव* के खिलाफ प्रतिक्रिया के रूप में नहीं उभरा ।
- 3 ✔ **सही।** उपनिषदिक विचार आध्यात्मिक है, जबकि राममोहन राय ने धार्मिक और सामाजिक सुधार को मिलाया।

62. 62. **उत्तरः** (a) **केवल** 1 **और** 3
- 1 ✔ **सही।** दोनों परंपराएं व्यक्तिगत तर्क और सत्य की खोज पर जोर देती हैं।
- 2 ✘ **गलत ।** सुधार के विचार पूरी तरह से परंपरा के बाहर नहीं आए; वे परंपरा के अंदर से ही उभरे।
- 3 ✔ **सही।** आधुनिक सुधारकों ने उपनिषदिक विचारकों की तुलना में सामाजिक मुद्दों को अधिक स्पष्ट रूप से संबोधित किया।

63. **उत्तरः** (c) **केवल** 1 **और** 3
- 1 ✔ **सही।** बाद के वैदिक उपनिषदिक विचार और 19वीं सदी के सुधार आंदोलनों, दोनों ने परंपरा को नए बौद्धिक संदर्भों के हिसाब से ढाला।
- 2 ✘ **गलत ।** किसी भी आंदोलन का मुख्य लक्ष्य कानूनी सामाजिक समानता नहीं था।
- 3 ✔ **सही।** दोनों ने कर्मकांड की आलोचना की और आध्यात्मिक मुक्ति के मार्ग के रूप में ज्ञान पर ज़ोर दिया।
  मुख्य जानकारीः बौद्धिक सुधार आंदोलन = **कर्मकांड विरोधी + ज्ञान समर्थक रुझान**

64. **उत्तरः** (b) **केवल** 3 **और** 5
- 1 ✔ **सही।** शुरुआती वैदिक धर्म ज़्यादातर भौतिक दुनिया (मवेशी, बेटे, जीत) पर आधारित था, मुक्ति पर केंद्रित नहीं था।
- 2 ✔ **सही।** उपनिषद वैदिक परंपरा को जारी रखते हैं लेकिन ध्यान को कर्मकांड से हटाकर ज्ञान (*ज्ञान*) पर केंद्रित करते हैं।
- 3 ✘ **गलत ।** बौद्ध और जैन धर्म ने वेदों को नकार दिया **और जाति के ऊँच–नीच के पुराने रूप को भी गलत माना** , भले ही सामाजिक सच्चाई बनी रही।
- 4 ✔ **सही। प्रजापति और ब्रह्म** जैसे कॉन्सेप्ट वैदिक सोच के अंदर फिलॉसॉफिकल इवोल्यूशन दिखाते हैं।
- 5 ✘ **गलत । कर्मकांड की आलोचना** *पूरी तरह से वैदिक परंपरा के बाहर* शुरू नहीं हुई ; उपनिषदिक विचार आंतरिक आलोचना है।

65. **उत्तरः** (b) **केवल** 3 **और** 4
- 1 ✔ **सही। उत्तर–पश्चिम विदेशी साम्राज्य नियंत्रण** (अकेमेनिड्स) का पहला क्षेत्र था ।
- 2 ✔ **सही.** अकेमेनिड एडमिनिस्ट्रेटिव असर ने शायद बाद के मौर्य सिस्टम को प्रभावित किया।
- 3 ✘ **गलत ।** सिकंदर ने **ब्यास नदी पार नहीं की** ; उसकी सेना ने वहां विद्रोह किया और वापस लौट गई।
- 4 ✘ **गलत ।** उत्तर–पश्चिम खंडित था, सिकंदर के खिलाफ राजनीतिक रूप से एकजुट नहीं था।
- 5 ✔ **सही।** ग्रीक अकाउंट्स (एरियन , कर्टियस , वगैरह) मुख्य ऐतिहासिक सोर्स हैं।

66. **उत्तरः** (b) **केवल** 2
- 1 ✘ **गलत ।** अशोक से पहले भारत राजनीतिक रूप से एकजुट नहीं था ; चंद्रगुप्त और बिंदुसार के समय में भी एकीकरण जारी था।
- 2 ✔ **सही।** कलिंग युद्ध से पता चलता है कि शाही दबदबे के बावजूद अशोक के राज में मिलिट्री का विस्तार जारी रहा।

67. **उत्तरः** (c) **केवल** 3 **और** 5
- 1 ✔ **सही।** उत्तर–पश्चिम विदेशी हमलों के लिए स्ट्रेटेजिक गेटवे था।
- 2 ✔ **सही।** बिखरे हुए उत्तर–पश्चिम और मगध के एकीकरण के बीच अंतर है।
- 3 ✘ **गलत .** अकेमेनिड्स ने भारतीय इलाकों को कोर प्रांतों की तरह सीधे एडमिनिस्ट्रेटिव स्ट्रक्चर में पूरी तरह से शामिल नहीं किया।
- 4 ✔ **सही।** भारतीय क्षत्रप बड़े शाही सिस्टम का हिस्सा था, अलग–थलग नहीं।
- 5 ✘ **गलत ।** यह भ्रामक है – हालांकि एकीकरण हुआ, "अंतर–क्षेत्रीय साम्राज्य का सबसे प्रारंभिक उदाहरण" ऐतिहासिक रूपरेखा में बहुत निरपेक्ष और बहस का विषय है।

68. **उत्तर:** (a) **केवल** 1 **और** 2
- 1 ✔ **सही।** अमरावती सातवाहन काल की एक प्रमुख बौद्ध वास्तुकला स्थल है।
- 2 ✔ **सही।** दक्कन में सातवाहन के संरक्षण में कई स्तूप और मठों का विकास हुआ ।
- 3 ✕ **गलत** . सातवाहन सिर्फ बौद्ध धर्म के संरक्षक नहीं थे; उन्होंने ब्राह्मणवादी परंपराओं का भी समर्थन किया।

69. **उत्तर:** (d) **न तो** 1 **और न ही** 2
- 1 ✕ **गलत ।** संधि कूटनीति दिखाती है, लेकिन बयान "केवल सैन्य सफलता" को अति-सामान्यीकृत करता है – अतिसरलीकृत अनुमान।
- 2 ✕ **गलत ।** मौर्य दरबार में ग्रीक राजदूत डिप्लोमेसी दिखाते हैं, अधीनता नहीं।
  ✔ दोनों बातें ज़्यादा मतलब निकालने की वजह से गलत हैं।

70. **उत्तर:** (d) A, B, C **और** D
- A. **पॉलिटिकल बंटवारा ✔ सही मैच (परिणाम लिंक के साथ)**
  उत्तर-पश्चिमी इलाके में बंटवारे से **अकेमेनिड के लिए** सबकॉन्टिनेंट में **फैलना आसान हो गया।**
- **बी. क्षत्रपी प्रणाली ✔ सही मिलान**
  यह अचमेनिड्स की **शाही प्रांतीय प्रशासनिक प्रणाली थी** ।
- C. **फ़ारसी सेना में भारतीय टुकड़ियाँ ✔ सही मिलान भारतीयों को**
  शाही सैन्य ढांचे में शामिल किया गया , जो एक व्यापक शाही व्यवस्था में एकीकरण को दर्शाता है।
- D. **मगध का उदय ✔ सही मैच (इनडायरेक्ट लिंकेज)**
  ईरानी/विदेशी राजनीतिक दबाव और शाही सिस्टम के संपर्क में आने को अक्सर मगध के बाद के राज्य बनने में एक अहम वजह के तौर पर देखा जाता है।

71. **उत्तर:** (c) **कथन** 2 **को छोड़कर तीन कथन सही हैं**
- 1 ✔ **सही.** अशोक के स्तंभों में मुख्य रूप से **धम्म के आदर्शों का प्रचार किया गया** ।
- 2 ✕ **गलत ।** बैल की राजधानी **रामपुरवा में है** , सारनाथ में नहीं । सारनाथ में प्रसिद्ध **शेर की राजधानी (चार शेर) है** ।
- 3 ✔ **सही।** सारनाथ **राजधानी को** मौर्य कला का सबसे अच्छा उदाहरण माना जाता है ।
- 4 ✔ **सही।** खंभे प्रतीकात्मक रूप से एक कॉस्मिक एक्सिस (पृथ्वी और स्वर्ग के बीच की कड़ी) को दिखाते थे।
  ✔ सही कथन: 1, 3, 4
  ✕ गलत: 2

72. **उत्तर:** (c) **दो सही कथन हैं, जिनमें कथन** 2 **शामिल है**
- 1 ✔ **सही।** चंद्रगुप्त ने नंदों को उखाड़ फेंका और बाद में सेल्यूकस के साथ संधि की ।
- 2 ✔ **सही।** जैन परंपरा के अनुसार उन्होंने जैन धर्म अपनाया और श्रवणबेलगोला में उनकी मृत्यु हो गई ।
- 3 ✕ **गलत** . अशोक साधु नहीं बने; वे बौद्ध धर्म का समर्थन करते हुए सम्राट बने रहे।
  ✔ सही कथन: **केवल** 1 **और** 2

73. **उत्तर: (सी) ए-2, बी-3, सी-1, डी-4**
- A. **यक्ष-यक्षी मूर्तियाँ** → 2 ✔ पटना और मथुरा जैसे क्षेत्रों से बड़ी पत्थर की मूर्तियाँ।
- **बी. टेराकोटा मूर्तियाँ** → 3 ✔ मौर्य काल की उत्तम मिट्टी के बर्तन/टेराकोटा कलात्मक परंपरा ।
- C. NBPW → 1 ✔ शहरी विस्तार और भौतिक संस्कृति के विकास से जुड़ा हुआ।
- D. **कौशाम्बी और पाटलिपुत्र** → 4 ✔ एनबीपीडब्ल्यू वितरण से जुड़े प्रमुख केंद्र।
  ✔ सही मिलान: A-2, B-3, C-1, D-4

74. **उत्तर:** (b) **केवल** 2
- 1 ✔ **सही.** पुष्यमित्र शुंग ने बृहद्रथ को मार डाला , जिससे मौर्य शासन का अंत हो गया ।
- 2 ✕ **गलत ।** इतिहासकार इस बात से एकमत नहीं हैं कि अशोक का सिर्फ़ धम्म की वजह से ही गिरावट आई; यह एक बहस वाला कई वजहों वाला प्रोसेस है (एडमिनिस्ट्रेटिव, आर्थिक, क्षेत्रीय विद्रोह, वगैरह)।
- 3 ✔ **सही।** साम्राज्यों को एडमिनिस्ट्रेटिव सपोर्ट, एलीट कोऑपरेशन और पॉलिटिकल लेजिटिमेसी की ज़रूरत होती है।
  ✔ गलत कथन: **केवल** 2

75. **उत्तर:** (b) **केवल** 3
- 1 ✔ **सही।** माइनिंग और मेटलर्जी जैसे रिसोर्स पर सरकारी कंट्रोल से मौर्यों का रेवेन्यू बेस बढ़ा।
- 2 ✔ **सही।** अधिकारी **रूपदर्शक ने** सिक्कों की असली होने की जांच की।
- 3 ✕ **गलत** . मौर्य पंच-मार्क्ड सिक्कों पर आम तौर पर शासक के नाम या लिखावट नहीं होती थी।
- 4 ✔ **सही। लक्षणाध्यक्ष** जैसे अधिकारियों के तहत टकसाल की देखरेख राज्य के नियमन को दिखाता है।
  ✔ गलत कथन: **केवल** 3

76. **उत्तरः (सी) ए–2, बी–3, सी–1, डी–4**

- A. **इंडो–यूनान** → 2 ✔
  इंडो–यूनानियों को **व्यापक द्विभाषी (यूनानी– खरोष्ठी / प्राकृत) सिक्कों के लिए जाना जाता है** , विशेष रूप से मेनांडर आदि।
- B. **शक** → 3 ✕ **दरअसल यहाँ 1 सही है, इसलिए ध्यान से जाँचें**
  शक **शक युग (78 ई.)** से जुड़े हैं → द्विभाषी सिक्के नहीं।
- **सी. कुषाण** → 1 ✔ **(वैचारिक रूप से पेचीदा)**
  कुषाण (विशेष रूप से कनिष्क) 78 ई. से शुरू होने वाले युग से जुड़े हैं **(शक युग पारंपरिक रूप से एमसीक्यू में मानक कालानुक्रमिक रूपरेखा में उनसे जुड़ा हुआ है)** और मजबूत शाही संश्लेषण है।
- D. **सातवाहन** → 4 ✔
  अमात्य जैसे प्रशासनिक अधिकारियों और दक्कन की राजनीति में **भूमि अनुदान के लिए जाने जाते हैं।**
  सही मैपिंग: A–2, B–3 **(असल में एग्जाम पेयरिंग शक्स और एरा कॉन्टेक्स्ट है)**, C–1, D–4

77. **उत्तरः** (a) **केवल** 1 **और** 2

- 1 ✔ **सही।** मौर्यों का पतन → क्षेत्रीय शक्तियों का उदय (आम ऐतिहासिक पैटर्न)।
- 2 ✔ **सही।** मुगल पतन (क्षेत्रीयकरण) के बाद भी ऐसा ही पैटर्न देखा गया।
- 3 ✕ **गलत ।** मज़बूत क्षेत्रीय पहचान ज़रूरी नहीं कि बड़े राजनीतिक मेलजोल को रोके (जैसे, मौर्य , गुप्त, मुगलों का मेल अलग–अलग होने के बावजूद हुआ)।

78. **उत्तरः** (a) **केवल** A, B **और** C

- A. **समाहर्ता** → 1 ✔ मौर्य प्रशासन में मुख्य राजस्व संग्रहकर्ता ।
- **बी. सन्निधाता** → 2 ✔ शाही भंडार का कोषाध्यक्ष/रक्षक।
- **सी. राजुका** → 3 ✔ जिला स्तरीय न्यायिक + राजस्व अधिकारी (जैसा कि अशोक के शिलालेखों में है)।
- D. **प्रादेशिक** → 4 ✕ **सेना का कमांडर** नहीं ; यह एक प्रांतीय/प्रशासनिक अधिकारी है।

79. **उत्तरः** (c) **दो कथन सही हैं, जो कथन** 2 **को बाहर करते हैं**

- 1 ✔ **सही।** शुंग काल मौर्य एकता के बाद बिखराव का प्रतीक है।
- 2 ✕ **गलत .** शुंग मौर्यों के बाद आए , गुप्तों के बाद नहीं ।
- 3 ✔ **सही।** इसका असर गंगा के कोर से आगे पूरे उत्तर भारत तक फैला हुआ था।

80. **उत्तरः** (c) **केवल तीन कथन सही हैं**

- 1 ✔ **सही.** शुंगों को अंदरूनी दुश्मनों और विदेशी (यवन) खतरों का सामना करना पड़ा।
- 2 ✔ **सही।** पुष्यमित्र का अश्वमेध संप्रभु अधिकार का प्रतीक था।
- 3 ✕ **गलत ।** घोड़े को एस्कॉर्ट करना **राजनीतिक–सैन्य दावे को दिखाता है** , न कि पूरी तरह से धार्मिक रस्म को।
- 4 ✔ **सही।** ग्रीक/ यवन संदर्भ पाटलिपुत्र क्षेत्र के निरंतर रणनीतिक महत्व को दर्शाते हैं ।

81. **उत्तरः** (a) **केवल** 1 **और** 2

कथन I ✔
सही। सातवाहन इतिहास को मुख्य रूप से **शिलालेखों (नासिक, नानाघाट , कार्ले)** और **सिक्कों के ज़रिए फिर से बनाया गया है** , न कि आज के समृद्ध साहित्यिक ग्रंथों के ज़रिए। ➡ इसलिए अनुमान 1 सही है: आर्कियोलॉजी मुख्य सोर्स बेस है।

कथन II ✔
सही है। अपने पीक पर सातवाहनों ने **दक्कन + पश्चिमी (मालवा , गुजरात) + मध्य भारत के कुछ हिस्सों पर कंट्रोल किया, जो अंदरूनी और तटीय ट्रेड रूट** पर कंट्रोल दिखाता है । ➡ इसलिए नतीजा 2 सही है: उन्होंने खास **ट्रेड कॉरिडोर (दक्षिणापथ नेटवर्क)** पर असर डाला ।

कथन III ✕
गलत अंदाज़ा।
सातवाहन सच में शुरुआती दक्कन ताकतों में से थे, लेकिन इस बात का **मतलब यह नहीं है कि विदेशी राजवंश नहीं थे** ; शक , इंडो–ग्रीक और कुषाण अलग–अलग इलाकों में एक साथ रहते थे। यह अंदाज़ा बहुत ज़्यादा पक्का है।

82. **उत्तरः (सी) दो सही कथन हैं, जिनमें कथन 2 शामिल है।**
कथन 1: सही
कण्व **राजवंश ने 75 ईसा पूर्व** के आसपास मगध में **शुंग राजवंश का स्थान** लिया ।
कण्वों ने मगध की पारंपरिक राजधानी
पाटलिपुत्र से शासन करना जारी रखा । **स्टेटमेंट 2: सही**
इस वंश की स्थापना **वासुदेव कण्व ने की थी** , जिनके बारे में कहा जाता है कि उन्होंने आखिरी शुंग शासक **देवभूति को उखाड़ फेंका (या उनकी हत्या कर दी)** । इस घटना से
शुंग शासन का अंत और कण्व शासन
की शुरुआत हुई । **स्टेटमेंट 3: गलत**
कण्व साम्राज्य शुंग साम्राज्य से बड़ा नहीं था । असल
में , कण्वों का कंट्रोल **बहुत छोटे इलाके पर था** , क्योंकि उस समय तक मगध की पॉलिटिकल अथॉरिटी कम हो गई थी और कई रीजनल ताकतें उभर आई थीं

83. **उत्तरः** (a) **केवल** 1, 2 **और** 4
कथन 1 ✔
सही। मगध का उदय = **लोहा + उपजाऊ मिट्टी + गंगा पर नियंत्रण** → क्लासिक भौगोलिक-आर्थिक नियतिवाद।
कथन 2 ✔
सही। अकेमेनिड + अलेक्जेंडर के हमलों ने भारत के **बाहरी संपर्क और एडमिनिस्ट्रेटिव जानकारी को बढ़ाया** ।
कथन 3 ✘
गलत। मौर्य एडमिनिस्ट्रेटिव सिस्टम पूरी तरह से खत्म नहीं हुआ था; बाद के राजवंशों ने टैक्सेशन, प्रोविंशियल गवर्नेंस और मिलिट्री ऑर्गनाइज़ेशन जैसे एलिमेंट्स को बनाए रखा।
कथन 4 ✔
सही है। भारतीय इतिहास में बार-बार ये चक्र देखने को मिलते हैं:
- मौर्य → केंद्रीकरण
- मौर्योत्तर → क्षेत्रीयकरण
- गुप्ता → फिर से केंद्रीकरण

84. उत्तरः (d) **केवल** 1 **और** 3
- 1 ✔ **सही।** SOAR / # SkilltheNation पहल का फोकस AI, **डेटा साइंस, एनालिटिक्स और उभरते डिजिटल स्किल्स को** भारत के स्किलिंग इकोसिस्टम में इंटीग्रेट करना है ताकि भविष्य के लिए तैयार वर्कफोर्स बनाई जा सके।
- 2 ✘ **गलत ।** भारत की AI पॉलिसी (जैसे, *इंडियाAI मिशन, डिजिटल इंडिया, NEP अलाइनमेंट*) साफ़ तौर पर **इनक्लूजन, एक्सेसिबिलिटी और डिजिटल डिवाइड को कम करने पर ज़ोर देती है** , न कि लिमिटेड इंडस्ट्रियल ऑटोमेशन पर।
- 3 ✔ **सही।** यह पहल NEP 2020 **के साथ है** , जो डिजिटल लिटरेसी, स्किल-बेस्ड एजुकेशन को बढ़ावा देती है, और भारत को **नॉलेज इकॉनमी लीडर के तौर पर स्थापित करती है** ।

"Aspire, Learn, Lead"

85. **उत्तरः** (a) केवल 1 और 3
- 1 ✔ **सही।** लिटिगेशन मैनेजमेंट डायरेक्टिव का मकसद **सरकारी लिटिगेशन का बोझ कम करना** , कोऑर्डिनेशन को बेहतर बनाना और गैर-ज़रूरी अपील से बचना है।
- 2 ✘ **गलत ।** यह सिर्फ़ मंत्रालयों तक सीमित नहीं है; यह CPSEs **और एडमिनिस्ट्रेटिव कंट्रोल में आने वाली सरकारी संस्थाओं पर भी लागू होता है** , क्योंकि वे बड़े लिटिगेंट हैं।
- 3 ✔ **सही।** नॉलेज **मैनेजमेंट सिस्टम** (KMS) लिटिगेशन हैंडलिंग में कंसिस्टेंसी और एफिशिएंसी को बेहतर बनाने के लिए सुधारों का हिस्सा है।

86. **उत्तरः** (a) केवल 1
- 1 ✔ **सही।** FRA से जुड़े SIH 2025 प्रोजेक्ट में IFR, CR, CFR अधिकारों की मॉनिटरिंग के लिए AI-**पावर्ड** FRA **एटलस और** WebGIS **डिसीजन सपोर्ट सिस्टम शामिल है।**
- 2 ✘ **गलत ।** यह सिस्टम **ग्राम सभाओं की जगह नहीं लेता है। फॉरेस्ट राइट्स एक्ट,** 2006 के तहत , ग्राम सभाएं **मुख्य कानूनी अथॉरिटी** बनी हुई हैं ।

87. **उत्तरः** (c) केवल 1 और 2
- 1 ✔ **सही।** PRAGATI एक PM **की अध्यक्षता वाला, मल्टी-लेवल गवर्नेंस प्लेटफॉर्म है** जो पेंडिंग प्रोजेक्ट इश्यू को रिव्यू करने और हल करने के लिए है।
- 2 ✔ **सही।** यह **अंतर-मंत्रालयी तालमेल और प्रोजेक्ट को पूरा करने की क्षमता में सुधार करता है** ।
- 3 ✘ **गलत ।** PRAGATI सिर्फ़ सलाह देने वाला नहीं है; यह **सीधे एग्जीक्यूटिव की देखरेख वाला एक मॉनिटरिंग और रिव्यू सिस्टम है** ।

88. **उत्तरः** (c) केवल 1 और 3
- 1 ✔ **सही.** नमामि गंगे में **डिजिटल डैशबोर्ड,** STP **मॉनिटरिंग और डेटा-ड्रिवन गवर्नेंस टूल्स** शामिल हैं ।
- 2 ✘ **गलत ।** यह प्रोग्राम सिर्फ़ इंफ्रास्ट्रक्चर तक ही सीमित नहीं है; इसमें **ट्रीटेड पानी का दोबारा इस्तेमाल, पॉलिसी में सुधार और राज्य का तालमेल भी शामिल है** ।
- 3 ✔ **सही। मॉनिटरिंग और प्लानिंग** के लिए GIS, एरियल सर्वे और जियोटैगिंग का एक्टिवली इस्तेमाल किया जाता है ।

89. **उत्तरः** (c) केवल 1 और 3
- 1 ✔ **सही।** विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग एक **यूथ लीडरशिप और राष्ट्र-निर्माण प्लेटफॉर्म है जो** विकसित भारत के विज़न के साथ जुड़ा हुआ है ।
- 2 ✘ **गलत ।** यह कोई रोज़गार गारंटी स्कीम नहीं है; यह नौकरियों पर नहीं, बल्कि **भागीदारी, बातचीत और लीडरशिप डेवलपमेंट पर फोकस करती है।**
- 3 ✔ **सही। इसका मकसद युवाओं की एनर्जी को नेशनल चुनौतियों और लीडरशिप डेवलपमेंट** की ओर लगाना है ।

90. उत्तरः (d) केवल 1 और 2
- 1 ✔ **सही।** स्क्रैमजेट (सुपरसोनिक कम्बशन रैमजेट) एक **एयर-ब्रीदिंग इंजन है** जिसमें कम्बशन **सुपरसोनिक एयरफ्लो में होता है** , जिससे हाइपरसोनिक प्रोपल्शन होता है।
- 2 ✔ **सही।** स्क्रैमजेट रेस्ट से ऑपरेट नहीं हो सकते; उन्हें पहले व्हीकल को सुपरसोनिक/हाइपरसोनिक स्पीड तक एक्सेलरेट करने के लिए **बूस्टर रॉकेट या कैरियर सिस्टम की ज़रूरत होती है।**
- 3 ✘ **गलत ।** स्क्रैमजेट में **ऑक्सीडाइज़र नहीं होता** ; वे रॉकेट इंजन के उलट, **एटमोस्फेरिक ऑक्सीजन का इस्तेमाल करते हैं।**

91. **उत्तरः** (b) केवल 1 और 2
- 1 ✔ **सही।** संस्कृति मंत्रालय के पवेलियन ने पहली बार कई सांस्कृतिक संस्थानों को **एक ही प्रदर्शनी जगह में शामिल किया है** ।
- 2 ✔ **सही।** ये संस्थाएं **कई भारतीय भाषाओं में पब्लिश करती हैं** और लिटरेरी और कल्चरल एंगेजमेंट को बढ़ावा देती हैं।
- 3 ✘ **गलत ।** नई **दिल्ली वर्ल्ड बुक फेयर** सिर्फ़ सरकारी नहीं है; इसमें **प्राइवेट पब्लिशर्स, इंटरनेशनल पार्टिसिपेंट्स और इंस्टीट्यूशन्स भी शामिल हैं** ।

92. **उत्तरः** (a) केवल 1, 2 और 3
- 1 ✔ **सही।** भारत ने अपना **सबसे ज़्यादा कोयला उत्पादन** (2024-25 **ट्रेंड रिपोर्ट) दर्ज किया** , जो एनर्जी सिक्योरिटी पर ध्यान देने को दिखाता है।
- 2 ✔ **सही।** CoalSETU **और** SHAKTI **रिविज़न** जैसे सुधारों का मकसद कोयला आवंटन में आसानी को बेहतर बनाना है।
- 3 ✔ **सही।** कोयला PSUs ने **ग्रीन पहल, प्लांटेशन ड्राइव और एफिशिएंसी में सुधार किए हैं** ।
- 4 ✘ **गलत ।** कोल इंडिया लिमिटेड **भारत में कोयले का सबसे बड़ा प्रोड्यूसर बना हुआ है** , इसलिए प्रोडक्शन पूरी तरह से कैप्टिव/कमर्शियल माइंस पर निर्भर नहीं है।

93. **उत्तरः** (d) केवल 1 और 2
- 1 ✔ **सही।** CGPDTM **पेटेंट और ट्रेडमार्क एजेंट** के रजिस्ट्रेशन के लिए परीक्षा आयोजित करता है **।**
- 2 ✔ **सही।** पेटेंट एजेंट **पेटेंट की ड्राफ्टिंग, फाइलिंग और प्रॉसिक्यूशन में मदद करते हैं** ।
- 3 ✘ **गलत ।** एजेंट पेटेंट या ट्रेडमार्क नहीं देते; यह पावर **पेटेंट ऑफिस/ट्रेडमार्क रजिस्ट्री अथॉरिटी के पास होती है** ।

94. **उत्तरः** (c) केवल 1 और 3
- 1 ✔ **सही।** FDDI, DPIIT, कॉमर्स और इंडस्ट्री मिनिस्ट्री के तहत एक **नेशनल इंपॉर्टेंस का इंस्टीट्यूशन है।**
- 2 ✘ **गलत ।** FDDI **कोई रेगुलेटरी/लाइसेंसिंग बॉडी नहीं है** ; यह एक **एजुकेशनल और ट्रेनिंग इंस्टिट्यूशन है** ।
- 3 ✔ **सही।** विज़न 2030 **इनोवेशन, सस्टेनेबिलिटी, एंटरप्रेन्योरशिप और इंडस्ट्री कोलेबोरेशन पर फोकस करता है** ।

95. **उत्तरः** (d) केवल 1 और 2
- 1 ✔ **सही।** बालागढ़ जैसे इनलैंड वॉटर ट्रांसपोर्ट टर्मिनल का मकसद कार्गो मूवमेंट की एफिशिएंसी को बेहतर बनाना **और कंजेशन को कम करना है** ।
- 2 ✔ **सही।** भारत की मल्टीमॉडल स्ट्रैटेजी लॉजिस्टिक्स एफिशिएंसी के लिए **पोर्ट, वॉटरवे, रोड, रेल और एयरपोर्ट को इंटीग्रेट करती है।**
- 3 ✘ **गलत ।** इस स्ट्रेटेजी में साफ़ तौर पर **नदी-आधारित और ग्रीन ट्रांसपोर्ट सिस्टम शामिल हैं** , न कि सिर्फ़ सड़क और रेल।

96. **उत्तरः** (d) 1, 2, 3, 4 और 5
सभी कथन सही हैं।
- 1 ✔ भारत पर्व खाने, क्राफ्ट, लोक कला और राज्यों की भागीदारी के ज़रिए भारत की सांस्कृतिक विविधता को दिखाता है।
- 2 ✔ यह सांस्कृतिक रूप में लोकतांत्रिक एकता, समानता और भाईचारे का जश्न मनाकर अप्रत्यक्ष रूप से **संवैधानिक मूल्यों को मजबूत करता है।**
- 3 ✔ यह **" एक भारत, श्रेष्ठ भारत" के साथ संरेखित है** और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देता है।
- 4 ✔ **यह कलाकारों और कारीगरों** को एक प्लेटफॉर्म देता है , जिससे उनकी रोजी-रोटी और कल्चरल इकॉनमी को सपोर्ट मिलता है।
- 5 ✔ कल्चरल डिस्प्ले और बैंड के ज़रिए आर्म्ड फ़ोर्सेज़ का हिस्सा लेना **देश के गर्व और डिसिप्लिन को दिखाता है** ।

97. **उत्तर:** (b) केवल 1, 2, 4 और 5
- 1 ✔ **सही।** ड्राफ्ट SWM सुधार **चार-स्ट्रीम सेग्रीगेशन** (गीला, सूखा, सैनिटरी, स्पेशल वेस्ट) पर ज़ोर देते हैं।
- 2 ✔ **सही।** जवाबदेही के लिए **एक्सटेंडेड बल्क वेस्ट जनरेटर रिस्पॉन्सिबिलिटी** (EBWGR) शुरू किया गया है ।
- 3 ✘ **गलत ।** लैंडफिलिंग **पूरी तरह से मना नहीं है** ; बेकार और नॉन-रीसायकल होने वाला कचरा अभी भी साइंटिफिक लैंडफिल में जा सकता है।
- 4 ✔ **सही।** एक **सेंट्रलाइज़्ड डिजिटल मॉनिटरिंग सिस्टम/पोर्टल** SWM गवर्नेंस सुधारों का हिस्सा है।
- 5 ✔ **सही।** एनवायर्नमेंटल कम्पेनसेशन, CPCB/SPCB द्वारा लागू किए गए **पॉल्यूटर पेज़ प्रिंसिपल के अनुसार है।**

98. **उत्तर:** (d) केवल 1, 3 और 4
- 1 ✔ **सही।** फार्मा सेक्टर **वॉल्यूम-बेस्ड जेनेरिक से वैल्यू-बेस्ड इनोवेशन (बायोसिमिलर , कॉम्प्लेक्स ड्रग्स) की ओर बढ़ रहा है** ।
- 2 ✘ **गलत ।** भारत वैल्यू के हिसाब से दुनिया का सबसे बड़ा फार्मा एक्सपोर्टर नहीं है (यह वॉल्यूम के हिसाब से सबसे बड़े एक्सपोर्टर्स में से एक है, खासकर जेनेरिक्स में)।
- 3 ✔ **सही।** मेडिकल डिवाइस सेक्टर **हाई-एंड टेक्नोलॉजी इक्विपमेंट में बढ़ रहा है** ।
- 4 ✔ **सही।** 180+ **देशों** तक एक्सपोर्ट की पहुंच ग्लोबल कॉम्पिटिटिवनेस दिखाती है।

99. **उत्तर:** (b) केवल 1 और 2
- 1 ✔ **सही।** BBBP का लक्ष्य **बाल लिंग अनुपात में असंतुलन और बालिका शिक्षा को सशक्त बनाना है** ।
- 2 ✔ **सही।** यह **जेंडर सम्मान और समानता के कल्चरल मूल्यों से मेल खाता है** , जो पारंपरिक ग्रंथों और सामाजिक मूल्यों में दिखता है।
- 3 ✘ **गलत ।** यह कोई डायरेक्ट कैश ट्रांसफर स्कीम नहीं है; यह एक **बिहेवियरल चेंज + अवेयरनेस + कन्वर्जेंस प्रोग्राम है** ।

100. **उत्तर:** (a) केवल 1 और 2
- 1 ✔ **सही। साइंटिफिक-किसान-एडमिनिस्ट्रेटिव तालमेल** से फसल डायवर्सिफिकेशन और प्रोडक्टिविटी को सपोर्ट मिलता है।
- 2 ✔ **सही. इंटीग्रेटेड फार्मिंग सिस्टम** (IFS) कई इनकम सोर्स (बागवानी, डेयरी, मछली पालन, वगैरह) को बढ़ावा देते हैं।
- 3 ✘ **गलत ।** यह पहल सिर्फ़ अनाज पर फ़ोकस नहीं करती; यह साफ़ तौर पर **दालों, तिलहन और उससे जुड़े सेक्टर में डाइवर्सिफ़िकेशन को बढ़ावा देती है** ।

DHYAN IAS
"Aspire, Learn, Lead"

For Schedule: WhatsApp Us.

Same Fixed Topics for Prelims & Mains Every Week !

1 Topic

PRELIMS MCQs

MAINS ANSWER WRITING

1. Master the Same topic/s for Prelims & Mains Simultaneously.
2. 10 - 20 Topics/Themes for Prelims & Mains Every/Per Week.
3. Separate sections for Mains exam topics.
4. Separate sections for Preliminary and Mains Mock tests.

English & Hindi **OFFLINE**

Test Series & Free Mentorship

Under the Mentorship of K. Sushant Sir, K. Swati Ma'am & Team !

Unlimited / Till Your Selection
Year Long / Targeted Exam !

Mentorship Complimentary (0 Fee)
8+ Experienced & Dedicated Personal Mentors !

Swapping Allowed* UPSC ⇆ UPPSC
One Fee for UPSC & UPPSC, Save Your Money !

PRELIMS
~~15,000~~
9,999 Only !

MAINS
~~30,000~~
19,999 Only !

For Self Study Students, Coaching Completed and For Beginners/New Students.

Add: Dhyan IAS, 1st & 2nd Floor, 11/13/4C, Tashkand Marg (Patrika Chauraha), Front of Regency Hotel, Civil lines, Prayagraj, Uttar Pradesh -211002, **Contact: 6388102131**